



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 23 सितम्बर, 1996/1 अगस्त, 1918

हिमाचल प्रदेश सरकार

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 अगस्त, 1996

संख्या आर्यु०-सी (क) 3-3/94.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग में वरिष्ठ प्राध्यापक (वर्ग-II) राजपत्रित पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध "अ" के अनुसार निम्नलिखित भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग वरिष्ठ प्राध्यापक (वर्ग-II) सेवाएं, भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1996 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. निरसन और व्यावृत्तियां.—(1) इस सरकार की अधिसूचना सं० स्वास्थ्य-ख (3)-3/79, तारीख 24-5-1980 द्वारा अधिसूचित भर्ती एवं प्रोन्नति नियम को एतद्वारा उस विस्तार तक निरसित किये जाते हैं जहां तक ये सहायक प्रोफेसर के पद को लागू हैं।

(2) परन्तु ऐसे निरसन के होते हुये भी निरसित नियमों के अधीन की गई कोई नियुक्ति, या बात या कार्रवाई इन नियमों के अधीन विधिमान्य रूप से की गई समझी जायेगी।

आदेश द्वारा,

जे० पी० नेगी,
आयुक्त एवं सचिव।

उपाबन्ध "अ"

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग, हिमाचल प्रदेश में वरिष्ठ लेक्चरर (राजपत्रित श्रेणी-II) के पद के लिए भर्ती एवं प्रोन्नति नियम

- | | |
|---|-------------------------------------|
| 1. पद का नाम | वरिष्ठ प्राध्यापक |
| 2. पदों की संख्या | 13 (तेरह) |
| 3. वर्गीकरण | वर्ग-II (राजपत्रित) |
| 4. वेतनमान
(विस्तृत रूप में अंकित करें) | रुपये 2200-70-2550-75-3000-100-3900 |
| 5. चयन पद अथवा अचयन पद | चयन |
| 6. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु। | 35 वर्ष और इससे कम : |

परन्तु सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा तदर्थ या संविदा पर नियुक्त किए गए पहले से सरकार की सेवा में रत अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ आधार नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिा आयु का हो गया हो, तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियो/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए उच्चतम आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जा सकेगी जितनी कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐस पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त

निकायों में, आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जायेगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सर्वेटर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारी वृन्द को नहीं दी जायेगी जो पश्चात्पूर्वी ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किये गये थे/हिए गए हैं और उन पब्लिक सर्वेटर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किए गए हैं/हिए गए थे।

(1) सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना 24 वर्ष के प्रथम दिन से की जाएगी जिसमें आवेदन आमन्त्रित करने के लिए यथास्थिति पद विज्ञापित या नियोजनालयों को अधिसूचित किये जाते हैं।

(2) अन्यथा मुअह्रित अन्ययियों की दगा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी।

7. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं।

(क) अनिवार्य अर्हताएं :

I. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या विधि द्वारा स्थापित भारतीय चिकित्सा पद्धति परिषद या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त आयुर्वेदिक महाविद्यालय से आयुर्वेदिक में स्नातक की उपाधि, और

II. विधि द्वारा स्थापित किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से विशेष ब्रांच में विशेषज्ञता सहित स्नातकोत्तर की उपाधि या सी० सी० आई० एम० या हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उपाधि, और

III. आयुर्वेद में स्नातक उपाधि के पाठ्यक्रम में संस्कृति एक विषय के रूप अध्ययन किया हो।

IV. स्नातकोत्तर के पश्चात् तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव।

(ख) वांछनीय अर्हताएं:

हिमाचल प्रदेश की रुढ़ियों, रीतियों और बोनियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता।

8. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रगति की दशा में लागू होंगी या नहीं।

आयु : लागू नहीं

शैक्षणिक अर्हताएं : लागू हैं

9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

दो वर्ष, जिगका एक वर्ष से अधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा, जैसा मक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और निखित कारणों से आदेश दें ।

10. भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता ।

शन प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।

11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां जिससे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा ।

प्राध्यापकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनकी ग्रेड में 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-91 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके 3 वर्ष का संयुक्त निपमित सेवाकाल हो या प्राध्यापकों/प्रदर्शकों के रूप में दोनों ग्रेडों में तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1991 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को सम्मिलित कर 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो ।

1. प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व संभरण पद में 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथा विहित सेवाकाल के लिए इन शर्तों के अधीन रहने हुए गणना में ली जाएगी :-

(i) उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति संभरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है, वहां उगसे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदाधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम 3 वर्ष न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम होगी :

परन्तु यह और भी कि, जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा ।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी, प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ

अप्राप्त व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाइज्ड ग्रामेंड फोर्मिस परमोनल (रिजर्वेशन आफ विकैन्मीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसीज) हलज, 1972 के नियम-3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे ऐक्म सर्विसमें (रिजर्वेशन आफ विकैन्मीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसीज) हलज, 1985 के नियम-3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों ।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी :

परन्तु 31-3-91 तक तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

12. यदि विभागीय पब्लिक सिमिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना ।

जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाये

13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित हो

14. सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा ।

किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए, अभ्यर्थी का निम्नलिखित होना आवश्यक है :—

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) निम्नलिखित शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पूर्व, भारत में स्थाई निवास के आशय से आया हो, या
- (ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति जिसने पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीका के देशों या कीनिया, युगांडा, यूनाइटेड रिपब्लिक आफ तंजानिया (पहले तांगानिका और जंजीबार), जॉम्बिया, मालावा, जेयूर के और इथोपिया से, भारत में स्थायी निवास के आशय से, प्रवास किया है :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अभ्यर्थी ऐसे व्यक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो ।

ऐसे अभ्यर्थी को जिनके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग, या अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संबंधित परीक्षा साक्षात्कार में प्रविष्ट किया जा सकेगा, किन्तु उमे नियुक्ति का प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उमे पाठ्यक्रम का अपेक्षित प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के पश्चात् ही दिया जाएगा।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

सीधी भर्ती के मामले में पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर, और यदि, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश, लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम यथास्थिति, आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

16. आरक्षण

उन सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की वायत जारी किये गये अनुदेशों के अधीन होगी।

17. विभागीय परीक्षा

1. सेवा में प्रत्येक सदस्य को, समय-समय पर यथा संशोधित, विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पारित करनी होगी, अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा:—

- (I) आगामी देय दक्षतारोध पार करने के लिए,
- (II) परिविक्षा अवधि के पूर्ण होने के पश्चात् भी स्थाईकरण के लिए; और
- (III) अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए:

परन्तु उस अधिकारी से जिसने इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व किन्हीं नियमों के अधीन पूर्णतया या अंशतः विभागीय परीक्षा पारित की है, यथास्थिति पूर्णतः या अंशतः परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी:

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व, कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो, उससे इन नियमों के अधीन विहित विभागीय परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी:

परन्तु यह धोरण कि ऐसे अधिकारी ने जिसके लिए, इन नियमों के अधीन किण्व जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात् निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी:—

(1) आगामी देय वक्तव्य पार करने के लिए, और

(11) परीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् स्थायीकरण के लिए।

2. किसी अधिकारी ने अपनी प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में उच्चतर पद पर प्रोन्नति पर विभागीय परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, यदि उसने निम्नतर राजपत्रित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही पारित कर ली है।

3. सरकार हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, अग्नाधारण परिस्थितियों में और कारणों को अभिलिखित करके, विभागीय परीक्षा में पूर्णतः या भागतः छूट मंजूर कर सकेगी, परन्तु यह तब तक कि ऐसे अधिकारी पर उनकी अधिवृत्ति की आयु प्राप्त करने की तारीख में पूर्व किसी अन्य उच्चतर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता सम्भाव्य न हो।

18. निधित करने की शक्ति

जहाँ राज्य सरकार की यह शक्ति हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ यह कारणों को अभिलिखित करके, और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत, निधित कर सकेगी।

[Authoritative English text of this Department notification No. Ayu-C(Ka) 3/3/94, dated 1-8-96 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

INDIAN SYSTEM OF MEDICINE AND HOMOEOPATHY DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shtmla-171 002, the 1st August, 1996

No. Ayu. C (Ka) 3/3/1994.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Senior Lecturer, Class-II (Gazetted) in the Department

of Indian System of Medicine and Homoeopathy, Himachal Pradesh, as per Annexure-'A' attached to this notification, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy, Senior Lecturer (Class-II Services) Recruitment and Promotion Rules, 1996.

(ii) These shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Repeal and savings.*—(i) The Recruitment and Promotion Rules Notified *vide* this Government Notification No. Swasthya-Kha (3)-3/79, dated 24-5-1980, are hereby repealed to the extent it is applicable to the post of Assistant Professor.

(ii) Notwithstanding such repeal, any appointment made or anything done or any action taken under the rules so repealed, shall be deemed to have been validly made or done or taken under these rules.

By order,

J. P. NEGI,

Commissioner-cum-Secretary.

ANNEXURE 'A'

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF SENIOR LECTURER (GAZETTED CLASS-II) IN THE DEPARTMENT OF INDIAN SYSTEM OF MEDICINE IN HIMACHAL PRADESH

- | | |
|--|-----------------------------------|
| 1. Name of the post | Senior Lecturer |
| 2. Number of posts | 13 (Thirteen) |
| 3. Classification | Class-II, Gazetted |
| 4. Scale of pay
(Be given in expanded notation) | Rs. 2200-70-2550-75-3000-100-3900 |
| 5. Whether selection post or non-selection post? | Selection |
| 6. Age for direct recruitment | 35 years and below: |

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis:

Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis or on contract basis had become overage on the date when he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment:

Provided further that upper age limit is relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government :

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government servants before absorption in Public Sector Corporations/Autonomous Bodies at the time of initial constitutions of such Corporations/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such Corporations/Autonomous Bodies and who are/were finally absorbed in the service of such Corporations/Autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies.

(1) Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s) is/are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges, or as the case may be.

(2) Age and experience in the case of direct recruitment, relaxable at the discretion of the H. P. Public Service Commission in case the candidate is otherwise well qualified.

7. Minimum educational and other qualifications required for direct recruits.

(a) *Essential qualification :*

(i) Bachelor degree in Ayurveda from recognised University or Council of Indian System of Medicine established by law or from an Ayurvedic College recognised by the Government, and

(ii) Post Graduate degree in particular branch of speciality from any recognised University established by law or the degree recognised by CCIM or H. P. Government, and

(iii) Should have studied Sanskrit as one of the subjects in the course of Bachelor degree in Ayurveda.

(iv) Three years teaching experience after doing post graduation.

(b) *Desirable qualifications :*

Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

Age : Not applicable

Educational qualifications : Applicable

8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees ?

9. Period of probation, if any

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

10. Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

100% by promotion failing which by direct-recruitment.

11. In case of recruitment by promotion, deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer is to be made.

By promotion from amongst the Lecturer having 3 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1991) service in the grade or having 3 years regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1991) service in grades of both as Lecturer/Demonstrator.

(1) In all cases of promotion, the *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-91, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the conditions:—

(i) that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1991) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment & Promotion Rules for the post, whichever is less;

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion, if the senior ineligible

persons happened to be ex-servicemen recruited under the provisions of Rule-3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal Pradesh State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule-3 of ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service :

Provided that *Inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1991 shall remain unchanged.

As may be constituted by the Government from time to time.

As required under the law

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.
13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be consulted in making recruitments.
- 14 Essential requirements for a direct recruitment.

A candidate for appointment to any service or post must be :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India,
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India:

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

15. Selection for appointment to post by direct recruitment,

Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment shall be made on the basis of *viva-voce* test if the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority as the case may be, so consider necessary or expedient by a written test or practical test, the standard/syllabus, etc. of which, will be determined by the Commission/other recruiting authority as the case may be.

16. Reservation

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Backward Classes/Other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination

(I) Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1976 as amended from time to time, failing which he shall not be eligible to :—

(i) Cross the efficiency bar next due,

(ii) Confirmation in the service even after completion of probationary period, and

(iii) Promotion to the next higher post :

Provided that an Officer who has qualified the Departmental Examination in whole or in part prescribed under any Rules before the notification of these Rules shall not be required to qualify the whole or in part of the examination as the case may be:

Provided further that an officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the Notification of these rules and who has attained the age of 45 years on the 1st March, 1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these Rules :

Provided further that an officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the Notification of these Rules and who had not attained the age of 45 years on 1-3-1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination

prescribed under these Rules after attaining the age of 50 years for the purpose of (i) crossing the efficiency bar next due and (ii) confirmation in the service after completion of probationary period.

(2) An Officer on promotion to higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.

(3) The Government may in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing, exemption in accordance with the Departmental Examination Rules to any class or category of persons from the Departmental Examination in whole or in part provided that such officer is not likely to be considered for any other higher promotion before the date of his superannuation.

18. Powers to relax

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, relax any of the provisions of these Rules with respect to any class or category of persons or posts.

